











## संपादकीय हरियाणा में संकट समाधान की प्रतीक्षा

हरियाणा में राजनीतिक संकट जारी है और इसके समाधान को प्रतीक्षा है। हरियाणा के राजनीतिक क्षेत्रों में उडापटक की हालिया घटनाओं ने एक बार फिर गठबंधन राजनीति की समस्यायें उजागर कर दी हैं। राज्य की राजनीति में प्रमुख भूमिका निभाने वाली जननायक जनता पार्टी-जेजेपी के नें कांग्रेस के साथ जाने का निर्णय किया है। उसने हरियाणा विधानसभा में भाजपा-नीत सरकार के बहुमत परीक्षण की मांग की है। इसके पहले तीन निर्दलीय विधायकों ने सत्तारूढ़ गठबंधन से समर्थन वापस ले लिया था, इससे ५१ विधायकों वाले सदन में ४४ विधायकों के साथ सरकार अल्पमत में आ गई थी। कांग्रेस नवीनतम घटनाक्रम से प्रसन्न है और इसे वह अपने पक्ष में एक अवसर की तरह देख रही है। वह भाजपा सरकार पर दबाव डाल रही है। लेकिन इस राजनीतिक उडापटक के पीछे जेजेपी अपने आंतरिक असंतोष से परेशान है। खबरें हैं कि उसके तीन विधायकों ने पूर्व मुख्यमंत्री एम.एल. खट्टर से गोपनीय मुलाकात की है। इससे संभावित पालाबदल की आशंका पैदा हो गई है। जेजेपी में वर्तमान असंतोष के पीछे विधायकों के हितों और आकांक्षाओं का टकराव है जो अक्सर गठबंधन राजनीति में समाप्त आता है। पिछले विधानसभा चुनाव में 'त्रिशंकु' जनादेश से जेजेपी एक प्रमुख पक्ष के रूप में उभरी थी। लेकिन उसके लिए अपनी कतारों में एक जुटाओं और गठबंधन साझीदारों की मांगों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था। अतीत पर नजर डालने से पतता लगेगा कि हरियाणा में ही 'आया राम गया राम' संस्कृति का विकास हुआ था जो अब भी जारी है। इस आंतरिक टकराव का असर न केवल हरियाणा की तात्कालिक राजनीति पर पड़ेगा, बल्कि इसके राज्य के भवित्व पर भी



हमें ब्रह्मांड से ऐसे  
अवसर प्रदान  
करने के लिए  
कहने के लिए  
साहस और  
विनम्रता की  
आवश्यकता है,  
हम अपनी सभी  
सीमाओं को पीछे  
छोड़ दें।

**रवि वलूरी**  
(लेखक, रेलवे से जुड़े हैं)

ह मारा एक हिस्सा ऐसा है जो हमें  
तब तक संतुष्ट नहीं होने देता जब  
तक हम वह सब नहीं बन जाते जो हम  
बनने में सक्षम हैं। जीवन हमारी पिछली  
उपलब्धियों और उपलब्धियों पर आराम  
करने और अपने आराम क्षेत्र में रहने के  
बारे में नहीं है। यह सामान्य से असाधारण  
बनने का साहसिक कार्य है। किसी की  
वर्तमान स्थिति अच्छी हो सकती है लेकिन  
यदि कोई बड़ा अवसर सामने  
आता है, तो उसे विस्तार के लिए तैयार  
रहना चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है  
कि आपको भागना है या अपनी ईमानदारी  
का उल्लंघन करना है।

के बल उपयोग और स्ट्रेचिंग से हर्ष मांसपेशियां मजबूत और लचीली रहती हैं।

## बेतके बयान

अभिव्यक्ति की आजादी का इससे अधिक मञ्चों और क्या हो सकता है कि इस समय बेतुके बयान देने को हाड़ मची है। सेम पिट्रोदा के रंगभेदी दृष्टिकोण वाले बयान से कांग्रेस ने उनके इस्तीफे से छुट्टी पाई ही थी कि उसके वरिष्ठ नेता मणिशंकर अच्यर का पाकिस्तान प्रेम जागृत हो गया। उन्होंने कह दिया कि पाकिस्तान नाभिकीय आयुध संपन्न देश है, इसलिए उसका सम्मान होना चाहिए। कांग्रेस के एक नेता ने तो अयोध्या में राम मंदिर के शुद्धीकरण की बात कह डाली। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार बनने पर मंदिर का शुद्धीकरण करगा जाएगा। दृष्टिकोण बदलने में शामिल सभा के विद्वान प्रोफेसर राम गोपाल ने तो राम मंदिर को बेकार तथा उसके नवरों को खराब बता डाला। राम मंदिर के बारे में ऐसे बेतुके बयानों का कोई औचित्य नहीं है। देश में उपलब्ध सर्वत्रैष इंजीनियरों, वैज्ञानिकों व भू-वैज्ञानिकों के साथ ही वास्तुविदों ने प्राचीन भारतीय मंदिरों का विस्तृत अध्ययन कर अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराया है। इसके निर्माण के साथ ही प्राण प्रतिष्ठा में सभी भारतीय परंपराओं व शास्त्रोक्त पद्धतियों का पूरा ध्यान रखा गया है। इन बेतुके बयानों से विपक्ष देश की नजरों में अपनी ही छवि खराब कर रहा है जिसका खामियाजा उसे भुगतन पड़ेगा।

खालीला गठबधन म शामल सपा - शकुतला महशा ननावा, इदार

## भूषण का लिंग परीक्षण

भूषण का लिंग परीक्षण लंबे समय से चिकित्सा क्षेत्र में अनैतिकता तथा समाज में व्याप्त महिला-विरोधी दृष्टिकोण का प्रतीक रहा है। अब डॉक्टर की चूक पर उनको दंड से बचाने के लिए भूषण के लिंग परीक्षण मामलों में छूट देने की मांग की जा रही है। यह सरासर गलत है। अभी ऐसे परीक्षण करने वाले डॉक्टरको 3 वर्ष की कठोर सजा का नियम है, लेकिन इसके बावजूद पैसा फेंक कर लोग देश में या विदेश में जाकर भूषण परीक्षण करवा कर कन्या भूषण होने पर उपका अवृश्णि भी करवा रहे हैं। ऐसी हालात में भूषण परीक्षण कानून में छूट देने के बारे में सोचा भी नहीं जाना चाहिए। भूषण का लिंग परीक्षण तथा कन्या भूषण की हत्या देश में लंबे समय से व्याप्त महिला-विरोधी प्रवृत्ति का नरीजा है। हालांकि, अब पढ़े-लिखे शहरी मध्यवर्ग में महिला-विरोधी प्रवृत्ति में भारी कमी आई है, पर यह सामंती सोच वाले कुछ ग्रामीण व कस्वाई क्षेत्रों में अब भी जारी है। जन्म लेने के बाद भी कुछ लोग कन्याओं को दूसरे दर्जे का व लड़कों से हीन मानते हैं। इस कारण उनको सताने के प्रयास होते हैं तथा खाने पीने से लेकर पढ़ाई-लिखाई तक दोषम दर्जे का व्यवहार किया जाता है। ऐसी सोच

है कि समय के साथ बदलेगी भी।

# सफल व्यक्ति की विशेषताएं



राहुल बजाज के बेटे राजीव और संजीव ने स्कूटर बनाने के लिए सेवामुक्त हो चुके आईएनएस विक्रांत के स्क्रैप को बचाने का एक आकर्षक विचार शुरू किया। यह एक नवोन्मेषी विचार था, जिसमें स्क्रैप का नये तरीके से उपयोग किया गया। जबकि अध्यास व मूल उद्देश्य लाभ उत्पन्न करना हो सकता है, अप्राप्य विचार दुस्साहसी है। इसलिए सफल उद्यमी कभी भी किसी विचार व खंडन नहीं करते। एक सरल विचार मौलिक खोज के लिए एक मंच द

## — आप की बात —

देश में उपलब्ध प्राकृतिक और अन्य संसाधनों व सुविधाओं के महेनजर आबादी का बेलगाम बढ़ना ही चिंतनीय है। किंतु धार्मिक आधार पर अधिक बच्चे पैदा करने की प्रवृत्ति देश की जनसंख्या संरचना और इस कारण देश की सांस्कृतिक, धार्मिक व राजनीतिक संरचना के लिए खतरा बन सकती है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में गत 65 वर्षों में हिंदू आबादी 7.82 प्रतिशत घटी, जबकि मुस्लिम आबादी 43.15 प्रतिशत बढ़ी है। ऐसी सोच लगभग 70 प्रतिशत बढ़ी है। मुस्लिम देश वाले दूसरे धर्मानुयायी में 22 प्रतिशत कमी आई। इस तरह जनसंख्या असंतुलन में समस्याओं का कारण है। भारत में ऐसे अबचने के लिए समाज संहिता तथा व्यापक स्वीकार्य जनसंख्या जरूरत है। इसके साथ धर्मों में छोटे परिषद प्रोत्साहन देने के आपके के साथ ही यह चेतना की भी जरूरत है कि

जनसंख्या असंतलन

देश में उपलब्ध प्राकृतिक और अन्य संसाधनों व सुविधाओं के मद्देनजर आबादी का बेलगाम बढ़ना ही चिंतनीय है। किंतु धार्मिक आधार पर अधिक बच्चे पैदा करने की प्रवृत्ति देश की जनसंख्या संरचना और इस कारण देश की सांस्कृतिक, धार्मिक व राजनीतिक संरचना के लिए खतरा बन सकती है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में गत 65 वर्षों में हिंदू आबादी 7.82 प्रतिशत घटी, जबकि मुस्लिम आबादी 43.15 प्रतिशत बढ़ी है। यही स्थिति पड़ोसी देश नेपाल में है जबकि 38 मुस्लिम बहुसंख्यक देश में मुसलमानों की संख्या लगभग 70 प्रतिशत बढ़ी है। मुस्लिम देश वाले दूसरे धर्मानुयासियों में 22 प्रतिशत कमी आई। इस तरह जनसंख्या असंतुलन में समस्याओं का कारण है। भारत में ऐसे अबचने के लिए समाज संहिता तथा व्यापक स्वीकार्य जनसंख्या जरूरत है। इसके साथ धर्मों में छोटे परिव्रोत्साहन देने के अभियान के साथ ही यह चेतना की भी जरूरत है कि पालन-पोषण अंतत माता-पिता की जिम्मेदारी - बीएल शर्मा

हड्डियां के सबक

टाटा के अधिग्रहण के बावजूद एयर इंडिया में विमानन सेवा प्रबंधन की कमी है। चालक दल के सदस्यों के अचानक सामूहिक रूप से हुट्टी लेने और इसके चलते कई हवाई सेवाओं के निरस्त करने का खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ा। हो सकता है किसी का इंटरव्यू रहा हो, किसी को मेडिकल इलाज की जरूरत रही हो या अन्य भी कारण हो सकते हैं। सोचने वाली बात यह है कि क्या टाटा समूह का मैनेजमेंट इतना सुस्त पड़ गया और अदूरस्थी हो गया है कि

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल  
वह पुराने अनुभवों से सबक नहीं ले को परिस्थिति नहीं बननी चाहिए।  
याया। टाटा समूह द्वारा ऐर इंडिया - भगवानदास छारिया, इंदौर











